>

Title: Need to provide special loans and grants to physically disabled and leprosy patients in the Country.

श्री पुन्नूलाल मोहले (बिलासपुर): माननीय सभापति महोदय, आज विकलांग दिवस पर पूरे देश भर के कोढ़ बीमारी से पीड़ित, विकलांगों, अंधे, लूले, लंगड़े, बहरे, मूक, बधिर तथा अपाहिज करीब 10 लाख लोगों को अतिरिक्त सुविधा नहीं मिल पा रही है, जिससे ये लोग दर-दर की ठोकरें खा रहे हैं और सड़क के किनारे फुटपाथ पर ये अपनी नरक जैसी जिंदगी जी रहे हैं। ये कहीं भूखे हैं, कहीं प्यासे हैं, कहीं बीमारी से पीड़ित हैं, उनके हाथों-पैरों से खून वगैरह बह रहा है, लेकिन विकलांगों को कोई सुविधा उपलब्ध नहीं है, उन्हें ट्राई-साइकिल भी नहीं दी जा रही है, चलने के लिए उनको गाड़ी भी नहीं मिल रही है।

ऐसे लोगों में जो लोग अंधे हैं, उनको चश्मे की आवश्यकता है, लूले लोगों को जयपुर में बनने वाले नये हाथ-पैर की आवश्यकता है, बधिरों के पास मशीन नहीं है, वे मुंह से बोल नहीं पाते। ऐसे लोगों की सम्पूर्ण व्यवस्था हेतु सरकार जो राशि दे रही है, वह अपर्याप्त है।

मैं सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि जैसे उद्योगपति हैं, अगर उनका उद्योग बीमार हो जाये तो सरकार उनको करोड़ों रुपये की विशेष सहायता देती है, जिसे वसूल नहीं करना पड़ता, जबकि ऐसे लोगों को सरकार बहुत कम राशि दे रही है। मैं शासन से मांग करना चाहूंगा कि ऐसे लोगों की सहायता हेतु अतिरिक्त राशि का आबंटन किया जाये और विशेष अभियान चलाया जाये। अगर वे काम करने लायक हैं तो उन्हें लोन भी उपलब्ध कराया जाये। अगर वे किसी बीमारी से पीड़ित हैं तो उनकी बीमारी के इलाज के लिए सरकार जिला स्तर पर प्रोग्राम आयोजित करे, जिस तरह से सांसद लोगों को आठ लाख रुपया दिया जाता है, उसे भी बढ़ाया जाये। इससे ये लोग बीमारी से निजात पाएंगे, अच्छा जीवन जिएंगे, सरकार को भी आशीर्वाद देंगे और अपने जीवन को बेहतर बनाएंगे, इसलिए सरकार ऐसी योजना चलाये, ऐसी मैं सरकार से आशा करता हूं।